<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
<u>पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)</u>

<u>गाजर घास जागरूकता एवं उन्मूलन सप्ताह का हुआ समापन</u>

पंतनगर। 23 अगस्त, 2021। पंतनगर विश्वविद्यालय में चल रहे गाजर घास जागरूकता एवं उन्मूलन सप्ताह कार्यक्रम का समापन प्रजनक बीज अनुसंधान केन्द्र में जागरूकता अभियान के साथ हुआ। वरिष्ठ शोध अधिकारी एवं परियोजनाधिकारी, डा. तेज प्रताप, ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि गाजर घास के दुष्प्रभावों से मनुष्यों और जावनरों में अनेकों रोग उत्पन्न हो जाते है, जिससे उनकी उत्पादन एवं कार्य क्षमता प्रभावित होती है। डा. प्रताप ने बताया कि गाजर घास से फसलों में लगभग 25–30 प्रतिशत तक की उपज में कमी पाई गई है और अगर समय से नियंत्रित नही किया गया तो और अधिक उपज में कमी आ जाती है। उन्होंने गाजर घास के नियंत्रण की यांत्रिक, रसायनिक एवं जैविक विधियों की विस्तार से जानकारी दी। बीज उत्पादन केन्द्र के सह-निदेशक, डा. अनिल कुमार ने गाजर घास के समूल उन्मूलन हेतु उपस्थित कर्मियों से आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कर्मियो द्वारा गाजर घास को उखाड़कर उन्मूलन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के डा. ओ.पी. ओझा, डा. ए.के. सिंह एवं अन्य कर्मचारी तथा परियोजना के कर्मियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

गाजर घास जागरूकता एवं उन्मूलन सप्ताह के समापन के अवसर पर गाजर घास उखाड़ते प्रजनक बीज अनुसंधान केन्द्र के कार्मिक।